हिन्दी अधिकारियों के पदों का सृजन क्यों नहीं किया गया ;

(ग) क्या सरकार अब ऐसा करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो ये पद कब तक भरे जाएंगे ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव सई) :(क) जी हां।

(ख) से (घ). डाक-तार सर्किलों के लिए हिन्दी अनुवादकों और हिन्दी अधिकारियों के पद बनाने का एक प्रस्ताव विचाराधीन है।

डाक और तार विभाग में अनुवादकों के वेतनमान

704. **श्री सुखेन्द्र सिंह :**
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या डाक और तार विभाग में हिन्दी अनुवादकों का वेतनमान 425–640 रुपये है जबकि अन्य विभागों में हिन्दी अनुवादकों का वेतनमान 550–750 रुपये है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या डाक और तार विभाग में हिन्दी अनुवादकों के लिये पदोन्नति के अवसर नहीं है ; और

(घ) यदि हां, तो क्या विभाग इस दिशा में कोई कार्यवाही कर रहा है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव सई) : (क) जहां तक डाक-तार विभाग में हिन्दी अनुवादकों के वेतनमान का प्रश्न है, यह सही है कि उनका ग्रेड 425–640 रुपये है। यह सही नहीं है कि अन्य विभागों में हिन्दी अनुवादक का ग्रेड 550–750 रुपये है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) और (घ). हिन्दी अनुवादक ग्रेड–II वरिष्ठता व योग्यता के आधार पर ग्रेड–I में तरक्की पाने के हकदार है। इसके अलावा भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों तथा अन्य कार्यालयों में हिन्दी के काम से संबंधित सभी पदों के लिए एक केन्द्रीय काडर बनाने का प्रस्ताव चल रहा है। इस केन्द्रीय काडर में जब डाक-तार महानिदेशालय के हिंदी अनुवादक शामिल कर लिए जाएंगे तब उस काडर में ऊंचे पदों पर अन्य अनुवादकों के साथ ये अनुवादक भी तरक्की पाने के हकदार बन जाएंगे।

श्री सिकन्दर बख्त का राजनयिक मिशन

705. **श्री बृज राज सिंह** : क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री, श्री सिकन्दर बख्त के, जिन्हें प्रधान मंत्री के विशेष दूत के रूप में मध्य पूर्व देशों को भेजा गया था, राजनयिक मिशन की क्या उपलब्धियां रहीं ?

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : निर्माण, आवास, आपूर्ति एवं पुनर्वास मंत्री श्री सिकन्दर बख्त ने प्रधान मंत्री के विशेष दूत के रूप में सितम्बर, 1977 में संयुक्त अरब अमीरात, कातार, बहरीन, अरब मिश्र गणराज्य और अल्जीरिया की यात्रा की। जनता पार्टी के ये पहले मंत्री हैं जिन्होंने इन देशों की यात्रा की है। इन्होंने इन देशों के नेताओं के समक्ष सरकार की नीतियां स्पष्ट कीं और इस बात पर बल दिया कि भारत सरकार द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने के काम को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा भारत की विदेश नीति की निरन्तरता एवं गतिशीलता का